हिंदी
बालभारती
पहली कक्षा

भारत का संविधान

भाग 4 क

मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य– भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखें;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।

शासन निर्णय क्रमांक : अभ्यास-२११६/(प्र.क्र.४३/१६) एसडी-४ दिनांक २५.४.२०१६ के अनुसार समन्वय समिति का गठन किया गया ।
दि. ८.५.२०१८ को हुई इस समिति की बैठक में यह पाठ्यपुस्तक निर्धारित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई ।

हिंदी
बालभारती
पहली कक्षा

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

2155NV

आपके स्मार्टफोन में 'DIKSHA App' द्वारा पाठ्यपुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर Q.R.Code के माध्यम से डिजिटल पाठ्यपुस्तक देखने के लिए प्राप्त होगी । इसी तरह पाठ्यपुस्तक में आशय एवं कृति के अनुसार समाविष्ट किए गए Q.R.Code द्वारा अध्ययन-अध्यापन के लिए दृक-श्राव्य सामग्री भी उपलब्ध होगी ।

प्रथमावृत्ति : २०१८
तीसरा पुनर्मुद्रण : २०२१

© महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे – ४११००४

इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

हिंदी भाषा समिति

डॉ.हेमचंद्र वैद्य – अध्यक्ष
डॉ.छाया पाटील – सदस्य
प्रा.मैनोद्दीन मुल्ला – सदस्य
डॉ.दयानंद तिवारी – सदस्य
श्री रामहित यादव – सदस्य
डॉ.अलका पोतदार – सदस्य – सचिव

संयोजन :

डॉ.अलका पोतदार,
विशेषाधिकारी हिंदी भाषा,
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे
सौ. संध्या विनय उपासनी,
विषय सहायक हिंदी भाषा,
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

निर्मिति :

श्री सच्चितानंद आफळे,
मुख्य निर्मिति अधिकारी
श्री सचिन मेहता
निर्मिति अधिकारी
श्री नितीन वाणी,
सहायक निर्मिति अधिकारी

प्रकाशक :

श्री विवेक उत्तम गोसावी
नियंत्रक
पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ
प्रभादेवी, मुंबई-२५

हिंदी भाषा निमंत्रित अभ्यासगट

डॉ. प्रमोद शुक्ल
श्रीमती रंजना पिंगळे
श्री भुमेश्वर खुमेश्वर कटरे
श्री जयप्रकाश गरीबदास सूर्यवंशी
श्री ईश्वरदयाल राधेलाल गौतम
श्रीमती पूनम शिंदे
श्री माताचरण मिश्र
श्रीमती जसवंत कौर पड्ढा
श्री प्रकाश रामसिंग बर्वे
श्री अनिल कुमार जगन अंबुले
श्री प्रेमेन्द्र देबिलाल चौहान
श्री महेश एम. शिंदे
श्री दिलीप एस. होटे
श्री रेखलाल प्रेमलाल रहांगडाले
श्री संजय हिरणवार
श्रीमती प्रभावती पाटणे
श्रीमती संध्या तळवेकर

मुखपृष्ठ : फारुख नदाफ

चित्रांकन : राजेंद्र गिरधारी, अपूर्वा बारंगळे, मयूरा डफळ, राजेश लवळेकर

अक्षरांकन : भाषा विभाग, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

कागज : ७० जीएसएम, क्रीमवोव

मुद्रणादेश : N/PB/2021-22/50,000

मुद्रक : M/S. SHREE SAMARTH QUALITY WORKS, NAVI MUMBAI

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) **को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।**

राष्ट्रगीत

जनगणमन – अधिनायक जय हे
भारत – भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत – भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

प्रिय विद्यार्थी मित्रो !

तुम औपचारिक शिक्षा पाने हेतु पहली कक्षा में आ पहुँचे हो । आओ तुम्हारा हृदय से स्वागत है । तुम्हारे लिए तैयार की गई पहली कक्षा की हिंदी बालभारती पाठ्यपुस्तक तुम्हें सौंपते हुए अत्यंत आनंद हो रहा है ।

पहली कक्षा प्राथमिक शिक्षा का प्रथम सोपान है । यहीं से तुम्हारी औपचारिक शिक्षा की शुरूआत होती है । यह शिक्षा की नींव है । यह नींव तभी मजबूत होगी जब तुम अच्छी तरह से हिंदी भाषा बोलना, पढ़ना और लिखना सीख जाओगे । अभी तक तुम घर एवं परिसर में हिंदी सुनते और बोलते आए हो । अब तुम्हें उसी हिंदी को पढ़ने और लिखने की शुरूआत करनी है ।

तुम्हें हिंदी भाषा सीखने में आनंद आए तथा सहजता के साथ तुम उसे सीख पाओ, इस बात को ध्यान में रखते हुए ही तुम्हारी इस पाठ्यपुस्तक की रचना की गई है । इस पुस्तक में दिए गए पात्र खुशी और आनंद तुम्हारे मित्र हैं । पूरी पुस्तक में वे तुम्हारे साथ रहेंगे । इसमें तुम्हें भाने वाले सुंदर एवं आकर्षक रंगीन चित्रों तथा कृतियों का समावेश किया गया है । इस पाठ्यपुस्तक की विशेषता यह है कि इसके अधिकांश पाठ विविध विषयों (थीम) पर आधारित हैं । पाठ्यपुस्तक में मधुर एवं सहजता से गाए जा सकने वाले बड़बड़ गीतों, बालगीतों, कविताओं को सम्मिलित किया गया है । इन्हें सामूहिक रूप से गाते हुए तुम सभी को बहुत आनंद आएगा । पुस्तक में बोधप्रद एवं मनोरंजक कहानियों को भी शामिल किया गया है जिन्हें सुनकर एवं पढ़कर तुम्हें बहुत अच्छा लगेगा । आकर्षक चित्रकथाओं में चित्रों को देख-देखकर उनमें छिपी कहानी ढूँढ़ने में तुम्हारी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा । चित्रों की कथाओं एवं अपने मजेदार अनुभवों को तुम्हें अपने परिजनों एवं मित्रों में बाँटने में बहुत आनंद आएगा ।

भाषा के वर्णों एवं शब्दों को सीखने के लिए पुस्तक में दिए गए रंगीन चित्र तुम्हारी सहायता करेंगे। चित्रों को देखकर पहचानना, बोलना, बोलते-बोलते पढ़ना फिर पढ़ते-पढ़ते अस्पष्ट बिंदियों पर पेंसिल फिराकर लिखना सीखना सभी कुछ मनोरंजक है । पुस्तक में कुछ भाषायी खेल भी दिए गए हैं । इन खेलों को खेलते-खेलते भाषा सीखना और अधिक आनंददायी है । हमें विश्वास है कि तुम्हें इन सारी गतिविधियों में बहुत आनंद आएगा । पहली कक्षा का वर्ष समाप्त होते-होते तुम बहुत अच्छी तरह से हिंदी बोलना, पढ़ना और लिखना सीख जाओगे । इस पुस्तक के कुछ पृष्ठों में नीचे क्यू. आर. कोड दिए गए हैं । क्यू. आर. कोड द्वारा प्राप्त जानकारी भी तुम्हें बहुत पसंद आएगी ।

विद्यार्थी मित्रो ! आनंदित होकर तन्मयता के साथ खूब पढ़ो और आगे बढ़ो । हमारी यही शुभकामना है ।

(डॉ. सुनिल मगर)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे-०४

पुणे
दिनांक : १६ मई २०१८
भारतीय सौर : २६ वैशाख १९४०

हिंदी अध्ययन निष्पत्ति : पहली कक्षा

यह अपेक्षा है कि पहली कक्षा के अंत तक विद्यार्थियों में भाषा विषयक निम्नलिखित अध्ययन निष्पत्ति विकसित हों ।

विद्यार्थी –

01.02.01 विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा और पाठशाला की भाषा का प्रयोग करते हुए बातचीत करते हैं । जैसे – कविता, कहानी सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछते, निजी अनुभवों को साझा करते हैं ।

01.02.02 सुनी सामग्री (कहानी, कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं ।

01.02.03 भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनंद लेते हैं । जैसे – फुक-फुक, छुक-छुक, रुक-रुक ।

01.02.04 प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर प्रिंट सामग्री (जैसे- चित्र या अन्य ग्राफिक्स) में अंतर बताते हैं ।

01.02.05 चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं का बारीक अवलोकन करते हैं ।

01.02.06 चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं ।

01.02.07 कहानी, कविताओं आदि में लिपि चिह्नों / शब्दों / वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझकर पहचानते हैं ।

01.02.08 संदर्भ की मदद से आसपास मौजूद छपी सामग्री के अर्थ और उद्देश्य का अनुमान लगाते हैं । जैसे – स्विच बटन पर लिखे 'ऑफ' का अर्थ बताते हैं ।

01.02.09 अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं । जैसे – 'मोर नाच रहा है ।' बताओ, यह कहाँ लिखा हुआ है ? / इसमें 'मोर' कहाँ लिखा हुआ है ? / 'मोर' में 'र' पर अँगुली रखो ।

01.02.10 दिए गए वर्णों से सार्थक शब्द बनाते हैं ।

01.02.11 शब्दों का सही क्रम लगाकर छोटे-छोटे वाक्य बनाते हैं ।

01.02.12 वाक्यों का आशय समझते हुए कृति करते हैं ।

01.02.13 परिचित / अपरिचित लिखित सामग्री (जैसे – मध्याह्न भोजन का चार्ट, अपना नाम, कक्षा का नाम, मनपसंद पुस्तक का शीर्षक आदि) में रुचि दिखाते हैं, बातचीत करते हैं । जैसे – केवल चित्रों या प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का प्रयोग करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का प्रयोग करते हुए अनुमान लगाते हैं ।

01.02.14 हिंदी वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं ।

01.02.15 लिखना, सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनुसार चित्रों, आड़ी-तिरछी रेखाओं, अक्षर-आकृतियों, स्व-वर्तनी (इनवेंटिड स्पैलिंग) और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से बोलने और लिखने का प्रयास करते हैं ।

शिक्षकों/अभिभावकों के सूचनार्थ .....

प्रिय शिक्षक/अभिभावक !

पहली कक्षा, हिंदी बालभारती की यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों के पूर्वज्ञान को दृष्टिगत रखते हुए भाषा के नवीन एवं व्यावहारिक प्रयोगों एवं मनोरंजक विषयों से सुसज्जित आपके सम्मुख प्रस्तुत है । इस पुस्तक में विद्यार्थियों के पूर्वअनुभव, घर–परिवार, परिसर के विषयों को आधार बनाकर श्रवण, भाषण–संभाषण, वाचन, लेखन के भाषिक मूल कौशलों के साथ आकलन, निरीक्षण, कृति, उपक्रम पर विशेष बल दिया गया है । पाठ्यपुस्तक में समाहित किए गए गीत, कविता, संवाद, कहानी आदि बहुत ही रंजक, आकर्षक सहज और सरल भाषा में प्रस्तुत किए गए हैं ।

पाठ्यपुस्तक की संरचना 'मूर्त से अमूर्त', 'स्थूल से सूक्ष्म', 'सरल से कठिन' एवं 'ज्ञात से अज्ञात' सूत्र को आधार बनाकर की गई है । क्रमबद्धता एवं क्रमिक विकास इस पुस्तक की विशेषता है । पूर्वानुभव से शुरूआत करके सुनो और बताओ, देखो; समझो और बताओ, सुनो, गाओ और बताओ, पहचानो और बोलो, सुनो और दोहराओ आदि कृतियों को क्रमशः प्रमुख स्थान दिया गया है । शिक्षकों/अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखकर पूरी पुस्तक को चार इकाइयों में बाँटा गया है । पहली से चौथी इकाई तक श्रवण एवं भाषण–संभाषण कौशलों को महत्त्व दिया गया है । प्रथम दो इकाइयों में श्रवण, भाषण–संभाषण को ८०% भारांश दिया गया है । इन इकाइयों में वाचन, लेखन की केवल शुरूआत की गई है । वहीं तीसरी और चौथी इकाइयों में वाचन एवं लेखन का भारांश क्रमशः बढ़ता गया है । श्रवण, भाषण–संभाषण के सभी विषय विद्यार्थियों के अनुभव जगत से ही जुड़े हुए हैं । अतः इससे विद्यार्थियों के इन कौशलों के विकास में अधिक आसानी होगी ।

अध्ययन–अध्यापन के पहले निम्न मुद्दों पर विशेष ध्यान दें :–

— सर्वप्रथम पूरी पुस्तक का गंभीरता से अध्ययन कर लें ।

— पाठ्यपुस्तक में भाषाई क्षमताओं श्रवण, भाषण–संभाषण, वाचन, लेखन एवं जरा सोचो–आकलन, खोजो, कृति करो आदि के लिए अलग–अलग आइकॉन (संकेत चित्र) दिए गए हैं । इन सभी 'आइकॉन' प्रतीकों को अच्छी तरह समझ लें और विद्यार्थियों को इन 'आइकॉन' प्रतीकों के अर्थ अच्छी तरह समझा दें । जिस पाठ में जो आइकॉन दिए गए हैं, वहाँ उस कृति को प्रमुख महत्त्व दिया जाना आवश्यक है । तदनुसार अभ्यास कराएँ ।

— प्रत्येक पाठ के प्रारंभ में दाहिनी ओर रेखांकित चित्र दिए गए हैं । विद्यार्थियों को इन चित्रों में रंग भरने के लिए प्रेरित करें ।

— प्रत्येक इकाई की शुरूआत का विषय विद्यार्थियों के पूर्व अनुभव पर आधारित है । उनके पूर्वज्ञान को आधार बनाकर नये ज्ञान, सूचना को विद्यार्थियों तक पहुँचाना है । प्रथम इकाई में 'मैं' के आधार पर प्रत्येक विद्यार्थी को उनका नाम और उनकी पसंद बताने का अवसर दें । दूसरी इकाई में 'हँस' के माध्यम से एक से दस तक की गिनती, श्रवण और संभाषण के अवसर देना अपेक्षित है । इसी जगह विद्यार्थियों में स्वच्छता, प्रेम, सच्चाई, पढ़ने, मिलकर खेलने, एकता, सदा प्रसन्न रहने के गुणों को भी अपनाने के लिए प्रेरित करना है । तीसरी इकाई में 'सप्ताह के दिन' द्वारा सभी दिनों के नाम, कल, आज, कल, परसों की संकल्पना के साथ–साथ पौधों को पानी देने, बड़ों को प्रणाम करने, खेल–कूद–योग, माँ के कामों में सहयोग करने आदि के

लिए भी विद्यार्थियों को सजग कराएँ । चौथी इकाई में आकलन एवं निरीक्षण क्षमता के विकास के लिए दिए गए चित्रों में अंतर बताने के लिए कहा गया है । आपसे यह अपेक्षा है कि विद्यार्थियों को इन्हें जानने, आत्मसात करने एवं अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करें ।

— प्रत्येक इकाई में चित्रवाचन या चित्रकथा दी गई है । विद्यार्थियों को चित्रों के निरीक्षण का भरपूर अवसर दें । चित्रों पर चर्चा कराएँ । उन्हें प्रश्न पूछने के अवसर दें । आप विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें । चित्रों में आए वाक्य पढ़कर सुनाएँ । उनसे दोहरवाएँ । यहाँ दी गई प्रत्येक कृति करें/करवाएँ । घर, परिसर में आवश्यकतानुसार ये कृतियाँ करने के लिए प्रेरित करें । चित्र देखकर विद्यार्थियों के मन में आए भाव/विचार व्यक्त करने के अवसर प्रदान करें ।

— प्रत्येक इकाई में श्रवण एवं भाषण–संभाषण के विकास के लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय इकाई में सुनो और दोहराओ, सुनो, गाओ और बताओ, सुनो, गाओ और दोहराओ के अंतर्गत बड़बड़गीत, बालगीत और कविताएँ दी गई हैं । इन गीतों, कविताओं को पहले आप उचित स्वर, लय–ताल, आरोह–अवरोह, हाव–भाव एवं अभिनय के साथ विद्यार्थियों को सुनाएँ । कई बार हाव–भाव एवं अभिनय के साथ दो–दो पंक्तियाँ बोलकर विद्यार्थियों से दोहरवाएँ । विद्यार्थियों को क्रमशः व्यक्तिगत, गुट में एवं सामूहिक रूप में दोहराने, बोलने, गाने के अवसर प्रदान करें।

— श्रवण, भाषण–संभाषण के विकास के लिए कहानी, चित्रकथा, संवाद दिए गए हैं । इनमें दिए गए चित्रों का विद्यार्थियों से निरीक्षण कराएँ । चित्रों के आधार पर उन्हें पहले अपने मन के भाव/विचार व्यक्त करने के अवसर दें । तदुपरांत आप स्वयं उचित हाव–भाव उच्चारण के साथ कहानी कई अंशों में विद्यार्थियों को सुनाएँ । विद्यार्थियों को कहानी दोहराने या बताने के लिए प्रेरित करें । कहानी पर छोटे प्रश्न पूछें । प्रश्न पूछकर चित्रों पर अँगुली रखने के लिए कहें । चित्रों में आए पशु–प्राणी, पेड़–पौधे, वस्तुओं के बारे में बोलने के लिए प्रेरित करें । आप सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विद्यार्थी ने कहानी समझते हुए सुना है ।

— पाठ्यपुस्तक में दिए गए संवादों को उचित उच्चारण, आरोह–अवरोह के साथ सुनाएँ । पाठ में आए कुछ ऐसे प्रसंगों की निर्मिति करें जिससे विद्यार्थियों को बोलने के अवसर प्राप्त हों । दो विद्यार्थियों के बीच किसी संदर्भ/प्रसंग पर संवाद करवाएँ ।

— पाठों में खुशी और आनंद की सूचनाओं एवं कृतियों का अनुपालन कराएँ ।

— वर्ण, मात्रा, संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द, वाक्य की पहचान, श्रवण, वाचन, लेखन आदि की शुरूआत विषय (थीम) पर आधारित हैं । पाठ्यपुस्तक में 'देखो और बताओ' के अंतर्गत चित्र दिए गए हैं । विद्यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण कराएँ । चर्चा करें । नाम पूछें । व्यक्तिगत उत्तर प्राप्त करें । नाम बोलकर उसपर अँगुली रखवाएँ । यहीं 'सुनो और दोहराओ' में कुछ शब्द दिए गए हैं । इनको स्पष्ट उच्चारण के साथ विद्यार्थियों को सुनाएँ । उनसे बार–बार दोहरवाएँ ।

यहाँ दूसरी पंक्ति में दिए गए शब्द, ऊपर आए चित्र पर आधारित हैं । इन शब्दों का एक–एक करके उच्चारण करें, विद्यार्थियों से दोहरवाएँ और उस शब्दवाले प्राणी/वस्तु के चित्रों पर विद्यार्थियों को अँगुली रखने के लिए कहें । शब्दों के नीचे दिए गए वाक्य ऊपर के चित्रों एवं दूसरी पंक्ति के शब्दों पर ही आधारित हैं । इन्हें विद्यार्थियों को सुनाएँ और दोहरवाएँ । इन वाक्यों में आए शब्द एवं वर्ण आगे पढ़े जाने वाले वर्णों की पूर्वपीठिका के रूप में हैं । शब्दों को दोहरवाते समय प्रत्येक वर्ण के उच्चारण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । चित्र पर आधारित अतिरिक्त शब्द, प्रश्न पूछे जा सकते हैं ।

— इसी पृष्ठ पर सबसे नीचे 'अनुरेखन' के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए सुनने, देखने और पेंसिल फिराने के लिए वर्ण दिए गए हैं । इसके पूर्व, वर्णों के अवयवों पर पेंसिल फिराने का अभ्यास अपेक्षित है । इससे विद्यार्थियों में पेंसिल पकड़ने और फिराने से उनकी अँगुलियों को यांत्रिक कुशलता प्राप्त होगी ।

— वहीं दूसरे पृष्ठ पर 'भाषण–संभाषण', 'पहचानो और बोलो', 'वाचन–पढ़ो', 'लेखन–समझो और लिखो', 'अनुरेखन' आदि कृतियाँ दी गई हैं । यहाँ वर्णों की पहचान कराने के लिए चित्र दिए गए हैं । यहाँ मूर्त से अमूर्त की ओर बढ़ते हुए प्रत्येक चित्र का निरीक्षण करवाएँ । उनके नाम बोलवाएँ। नाम के आधार पर शब्द और शब्द द्‌वारा ध्वनि प्रतीकों के उच्चारण करवाएँ । मानक उच्चारण बताएँ, दोहरवाएँ । वर्ण की पहचान कराएँ । इन चित्रों के नीचे दिए गए शब्द, वाक्य अब तक पढ़े हुए वर्णों और मात्राओं पर ही आधारित हैं । इनकी पहचान कराएँ । बार–बार उच्चारण कराएँ। नीचे दी गई जगह में समान ध्वनिवाले वर्ण लिखवाएँ । सूचनानुसार इस पृष्ठ पर दी गई सभी कृतियों का अभ्यास कराएँ ।

— यहाँ 'वाचन–पढ़ो' में दिए गए वर्ण और उनसे बने शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर स्वयं पढ़ें और विद्यार्थियों से सामूहिक, गुट में एवं एकल अनुवाचन कराएँ । वर्णों एवं शब्दों के कार्ड तैयार करें । उनसे विद्यार्थियों द्‌वारा शब्द और वाक्य बनवाएँ । यहीं 'समझो और लिखो' में ध्वनि प्रतीकों अर्थात वर्णों के लिखित रूप का अभ्यास अपेक्षित है । यहाँ वर्णों के क्रम बदलकर दिए गए हैं । विद्यार्थियों को उन्हें पहचानने और दिखाए गए आकार के अनुसार उन वर्णों को चिह्नांकित करने के लिए कहें । वर्णों की पहचान होने तक अभ्यास कराएँ ।

— इसी तरह संयुक्ताक्षर, संयुक्ताक्षरयुक्त शब्दों (वर्णों के मेल), वाक्यों का दृढ़ीकरण होने तक अभ्यास कराएँ । तीसरी, चौथी इकाइयों में नीचे अनुरेखन के स्थान पर अनुलेखन का अभ्यास कराना अपेक्षित है ।

— तीसरी, चौथी इकाइयों में बालगीत, कविता, चित्रकथा, कहानी, संवाद आदि पढ़ने और आवश्यकतानुसार लिखने के लिए दिए गए हैं । इनके पढ़ने, बताने, चर्चा करने, निरीक्षण करने, लिखने आदि का सूचनानुसार अभ्यास एवं दृढ़ीकरण आवश्यक हैं । कविता, कहानी, संवाद आदि के वाचन में उचित उच्चारण, हावभाव, आरोह–अवरोह, लय–ताल, अभिनय आदि का योग्य स्थान पर अवश्य उपयोग करें ।

— पाठ्यपुस्तक में पाठों, अभ्यास एवं पुनरावर्तन के अंतर्गत अनेक कृतियाँ दी गई हैं । इन कृतियों का बार–बार अभ्यास अपेक्षित है ।

पाठ्पुस्तक में अनुरेखन, अनुलेखन, शब्दों के श्रुतलेखन तत्पश्चात शब्द, वाक्य, लेखन, कहानी लेखन आदि का क्रमशः सूचनानुसार अभ्यास कराएँ ।

— पाठों के माध्यम से अनेक अच्छी आदतें, मूल्यों, जीवन कौशलों एवं मूलभूत तत्त्वों का समावेश किया गया है । यथास्थान इनको महत्त्व दें । इनके दृढ़ीकरण हेतु आवश्यक प्रसंगों का निर्माण कर विद्यार्थियों द्‌वारा अभ्यास कराना अत्यावश्यक है ।

— पाठ्यसामग्री का मूल्यमापन निरंतर होने वाली प्रक्रिया है । पाठ्यपुस्तक में सन्निहित सभी कौशलों/क्षमताओं, कृतियों, उपक्रमों का समान सतत एवं सर्वंकष मूल्यमापन अपेक्षित है ।

विश्वास है कि आप सब अध्ययन–अध्यापन में इस पुस्तक का कुशलतापूर्वक उपयोग करते हुए विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति आत्मीयता जागृत करने में सक्रिय सहयोग देंगे ।

***

✻ विषयसूची ✻

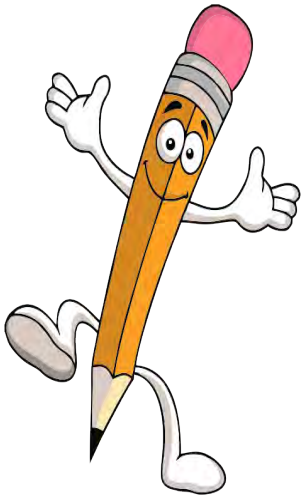

पहली इकाई

✻ मैं
✻ पहला दिन
✻ वर्षा
✻ रेलगाड़ी
✻ गाना-बजाना
✻ हरियाली
✻ बाजार
✻ नूपुर-शूकुर
✻ कृषक
✻ मैं गांधी बन जाऊँ
✻ अभ्यास-१
✻ अभ्यास-२

दूसरी इकाई

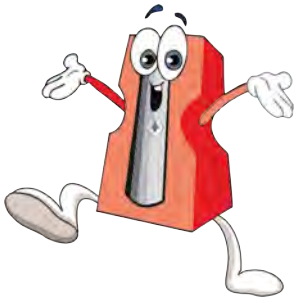

✻ हँस
✻ वृक्ष बढ़ाओ
✻ पैसे
✻ रोबोट और आकार
✻ झंडा
✻ मेरी पहचान
✻ माँ
✻ हॉकी
✻ श्रमदान
✻ कागज की थैली
✻ पुनरावर्तन-१

तीसरी इकाई

✻ सप्ताह के दिन
✻ मेला
✻ फलों की दुनिया
✻ सब्जियाँ
✻ पाठ्यपुस्तक
✻ बचत एवं स्वच्छता
✻ अ से श्र तक
✻ गफ्फार की चक्की
✻ मेरा राज्य
✻ जन्मदिन
✻ अभ्यास-३
✻ अभ्यास-४

चौथी इकाई

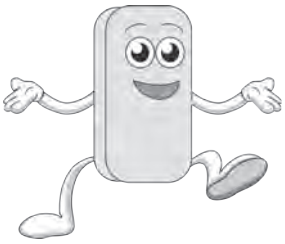

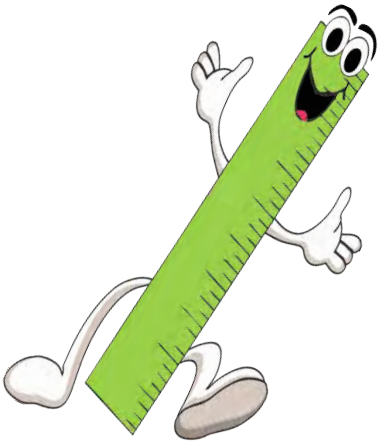

✻ अंतर खोजो
✻ सच्चा मित्र
✻ मेरी गुड़िया
✻ शेर और चूहा
✻ छोटा ग्राहक
✻ मिट्टी की माला
✻ मैं हूँ कौन ?
✻ सुखी परिवार
✻ वाचन कुटी
✻ ध्वजगीत
✻ पुनरावर्तन-२
✻ वर्णमाला,पंद्रहखड़ी